शासकीय एकीकृत माध्यमिक शाला भिलौनी

“सफलता की कहानी”

बाल कैबिनेट के सहयोग से अनियमित विद्यार्थियों की उपस्थिति और उनकी कक्षागत सक्रियता में सुधार

शैक्षिक प्रभारी (माध्यमिक विभाग)

माधव पटेल

विकासखंड बटियागढ़ जिला दमोह मध्य प्रदेश

<u>सफलता की कहानी:-</u>

*	कहानी का नाम	-	बाल कैबिनेट के सहयोग से अनियमित विद्यार्थियों की उपस्थिति और उनकी कक्षागत सक्रियता में सुधार
*	स्कूल का नाम	-	शासकीय एकीकृत माध्यमिक शाला भिलौनी **Dise Code:-(23120702903)**
*	प्र.प्रधानाध्यापक (माध्यमिक विभाग) का नाम	-	**माधव पटेल**
*	जिला का नाम	-	दमोह
*	विकासखंड का नाम	-	बटियागढ़
*	संकुल का नाम	-	शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मगरोन
*	राज्य का नाम	-	मध्य प्रदेश
*	संपर्क नंबर	-	**9826231950**
*	ईमेल	-	**madhav11patel@gmail.com**

पृष्ठभूमि:-

* **स्कूल की स्थिति (बालक बालिका नामांकन,अधोसंरचना,भौगोलिक स्थिति) -**

विद्यालय में वर्तमान में विद्यार्थियों की जनसंख्या 296 है जिसमें 139 छात्राएं और 167 छात्र है

* **स्कूल की जिले कार्यालय से दूरी भौतिक,सामाजिक,सांस्कृतिक, आर्थिक संदर्भ स्थिति -**

विद्यालय जिला मुख्यालय से 65 किलोमीटर दूर एवं विकासखंड मुख्यालय से 35 किलोमीटर दूरी पर स्थित है। विद्यालय में विद्यार्थियों को बैठने के लिए 6 कक्ष हैं जिनमें से तीन कक्ष में विद्यार्थियों के लिए फर्नीचर उपलब्ध है साथ ही साथ विद्यालय के पास दो इंटरैक्टिव पैनल भी है जिनका कार्य शिक्षण प्रक्रिया में किया जाता है विद्यालय में अधिकांश अन्य पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थी अध्ययन करते हैं कुछ अनुसूचित जाति के छात्र-छात्राएं भी विद्यालय में दर्ज है क्योंकि ग्राम की बहु संख्यक आबादी अन्य पिछड़ा वर्ग की है जो कृषि और मजदूरी पर आश्रित है। कृषि कार्य के लिए अभिभावक खेतों में ही अपना निवास बनाए हुए हैं इसलिए आबादी की बसाहट में अत्यधिक बिखराव है।

नवाचार से बदलाव

बाल कैबिनेट के सदस्यों की मैपिंग उन विद्यार्थियों के साथ करने से जो नियमित रूप से विद्यालय नहीं आते थे और यदि आ भी जाते थे तो कक्षा की शिक्षण प्रक्रियाओं और सह शैक्षिक गतिविधियों में सक्रिय नहीं रहते थे वह नियमित रूप से विद्यालय आने लगे कक्षा की शिक्षण प्रक्रिया में उनकी सहभागिता बढ़ गई क्योंकि कोई भी शैक्षणिक गतिविधि करवाने के लिए वो जिन बाल कैबिनेट की टोली के साथ आया है उनके साथ पियर लर्निंग का अवसर दिया कोई भी गतिविधि करवाने में उन बच्चों के साथ उनकी जोड़ियां बनाई जिससे वह अपनी बात सहजता से बिना किसी संकोच के कह सकते थे अपनी जिज्ञासा प्रकट कर सकते थे धीरे-धीरे वह विद्यार्थी कक्षा में खुलने लगे और शिक्षकों के साथ भी प्रश्न करने लगे और उनकी कक्षागत प्रक्रिया में संलग्नता बढ़ गई और जब वह कक्षागत शिक्षण प्रक्रिया में सक्रिय रहने लगे तो स्वाभाविक रूप से विद्यालय में उनकी नियमित उपस्थिति भी होने लगी एवं वह विभिन्न सहशैक्षिक गतिविधियों में भी अपने रुचि के अनुसार सहभागिता करने लगे और इस प्रकार यह नवाचार जहां एक और विद्यालय की उपस्थिति बढ़ाने में सफल रहा तो वहीं दूसरी ओर अनियमित रहने वाले विद्यार्थियों को शैक्षिक और सहशैक्षणिक गतिविधियों संलग्न करने में सफल रहा।

प्रक्रिया-

किसी भी विद्यालय में शिक्षण प्रक्रिया का सबसे महत्वपूर्ण आयाम होता है उसे विद्यालय में जो विद्यार्थी अध्यनरत हैं उनका नियमित रूप से विद्यालय आना एवं कक्षागत प्रक्रिया एवं सह शैक्षिक प्रक्रिया में अपनी पूर्ण सहभागिता करना जब तक विद्यार्थियों की उपस्थिति कक्षा में नहीं होगी कितना भी अच्छा शिक्षण कार्य कर लिया जाए उसका प्रतिफल नहीं मिलेगा क्योंकि विद्यालय में जो विषय अध्यापन करवाया जा रहा है यदि विद्यार्थी उस दिन नहीं आया तो अगले दिन का अध्ययन उस विद्यार्थी को समझ पाना अपने आप में एक चुनौती होगा साथ ही जब वह है नियमित रूप से नहीं आएगा तो कक्षा शिक्षण की प्रक्रिया में उसकी सक्रियता और सलंग्नता पर इसका विपरीत प्रभाव पड़ेगा साथ ही साथ राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में विद्यार्थियों के जिस सर्वांगीण विकास की बात कही गई है उसमें सह शैक्षिक गतिविधियों की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है समय-समय पर विद्यालयों में संपादित होने वाली सह शैक्षिक गतिविधियों में विद्यार्थियों की सहभागिता तभी सुनिश्चित होगी जब वह नियमित नियमित रूप से विद्यालय में उपस्थित होंगे

* विद्यालय का शैक्षणिक क्षेत्र प्रारंभ होते ही बाल कैबिनेट का गठन किया एवं हर मंत्री के साथ सभी कक्षाओं की विद्यार्थियों कि ग्रुप का निर्माण किया
* कक्षा वार ऐसे विद्यार्थियों का चिन्हांकन किया जो नियमित रूप से विद्यालय नहीं आते थे एवं यदि विद्यालय में उपस्थित हो भी गए तो कक्षागत क्रियाओं में सक्रिय रूप से सहभागिता नहीं करते थे।
* जो विद्यार्थी विद्यालय में अनियमित रूप से उपस्थित होते थे एवं कक्षागत क्रियाओं में सलंग्नता कम रखते थे उनके घर के आसपास रहने वाले बाल कैबिनेट के सदस्यों की जानकारी रजिस्टर में अंकित की।
* जो विद्यार्थी अनियमित उपस्थिति एवं कम सलंग्नता वाले है उनके आसपास बाल कैबिनेट के सदस्य विद्यालय आते थे उनकी आपस में जोड़ियां बना दी एक विद्यार्थी दूसरे के यहां जाता दो मिलकर तीसरे के यहां जाते और ये तीन मिलकर उसे चौथ विद्यार्थी के यहां जाते है जो विद्यालय में नियमित रूप से उपस्थित नहीं होता है एवं विद्यालय में शैक्षिक गतिविधियों में उसकी सलंग्नता कम है तो जब यह तीन विद्यार्थियों की जोड़ी उस चौथे विद्यार्थी के यहां पहुंचती है तो यदि उस विद्यार्थी की विद्यालय आने की इच्छा नहीं भी होती है तो भी इन तीन विद्यार्थियों के एक साथ वहां पहुंचने से वह आने के लिए तैयार हो जाता है और यदि किसी कारणवश उसके अभिभावक छोटे-मोटे कार्य के कारण विद्यालय भेजने के लिए आनाकानी करते है तो जब यह तीन विद्यार्थी तैयार होकर बैग लेकर

उनके घर पहुंचते है तो पालक भी उस काम को प्राथमिकता न देकर अपने बच्चे को विद्यालय भेज देते हैं साथ ही साथ उन तीन विद्यार्थियों के साथ वह अनियमित रूप से आने वाला विद्यार्थी जब विद्यालय आने लगता है तो उन्हीं के साथ बैठता है उनके साथ खेल और दूसरी गतिविधियों में साथ रहता है और धीरे-धीरे वह कक्षा की प्रक्रिया में भी उन विद्यार्थियों के साथ शामिल हो जाता है और वह विद्यार्थी नियमित रूप से न केवल विद्यालय आने लगता है अपितु विद्यालय में संपादित की जाने वाली शैक्षिक और सह शैक्षिक दोनों प्रकार की गतिविधियों में अपनी पूर्ण सहभागिता प्रदान करने लगता है।

छात्रा अनुराधा कुशवाहा के प्रयास से उपस्थित हुआ छात्र

छात्रा गायत्री कुशवाहा अपने साथ मैप की गई अनियमित छात्रा फूला बाई को नियमित विद्यालय ला रही है।

* इस प्रक्रिया में बाल कैबिनेट सदस्यों को मैप करने के साथ-साथ संबंधित कक्षा शिक्षकों को भी अनियमित आने वाले विद्यार्थियों की मॉनिटरिंग और मेंटरिंग की जिम्मेदारी दी जाती है वह विद्यालय में अनुपस्थित होने पर संबंधित विद्यार्थियों के पालकों से उसी दिन मोबाइल पर चर्चा भी करते हैं जिससे बाल कैबिनेट के सदस्यों के कार्य में सहयोग हो जाता है और शिक्षक पालको के साथ में निरंतर संपर्क में बने रहते हैं।

* इस प्रक्रिया में बाल कैबिनेट के सदस्य महत्वपूर्ण भूमिका में होते हैं साथ ही साथ संबंधित प्रभारी शिक्षक की भूमिका भी महत्वपूर्ण होती है एवं सक्रिय समाजसेवियों का भी निरंतर सहयोग लिया जाता है जिससे यदि उन्हें गांव में कोई बच्चा विद्यालय के समय में घूमता या खेलता हुआ मिले तो विद्यालय को इसकी सूचना दें और विद्यालय प्रबंधन ऐसे विद्यार्थियों से संपर्क कर सके।

* बाल कैबिनेट के सदस्यों को यदि कहीं कोई समस्या आती है तो प्रभारी शिक्षक के साथ-साथ साल प्रबंधन समिति के सदस्यों का सक्रिय सहयोग लिया जाता है खासतौर से संबंधित मोहल्ले में निवास करने वाले एसएमसी सदस्यों का सहयोग लेकर उनके पालकों को प्रेरित करने का कार्य किया जाता है

* इस प्रक्रिया में बाल कैबिनेट के सदस्यों का सक्रिय सहयोग मिलता रहे इसके लिए उन सदस्यों को जो अनुपस्थित विद्यार्थियों को नियमित रूप से विद्यालय लाने का कार्य करते हैं को प्रार्थना सभा में सम्मानित किया जाता है साथ ही साथ ऐसे विद्यार्थियों को विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियों के संचालन का दायित्व सौंपा जाता है विद्यालय की सह शैक्षिक गतिविधियों जैसे एक पेड़ मां के नाम,पर्यावरण संरक्षण, अपशिष्ट जल प्रबंधन,स्वच्छता अभियान,कला उत्सव,मोगली महोत्सव,खेल गतिविधियों के आयोजन का उत्तरदायित्व दिया जाता है जिससे जो अनियमित रहने वाले विद्यार्थी है वह भी उनके साथ उन गतिविधियों में संलग्न हो जाते है और उसका मन विद्यालय में लगने लगता है।बाल कैबिनेट के सदस्यों की प्रशंसा की जाती है जिससे दूसरे बच्चे भी ऐसा कार्य करने के लिए प्रोत्साहित हो जो पालक अपने विद्यार्थियों को बच्चों को नियमित विद्यालय भेजते हैं ऐसे पालकों को उनके घर जाकर सम्मानित करने का कार्य किया जाता है जिससे उसे मोहल्ला में

रहने वाले दूसरे अभिभावक भी अपने बच्चों को नियमित रूप से विद्यालय भेजने के लिए प्रेरित होते हैं।

अनियमित विद्यार्थियों को,विद्यालय लाने वाले बाल कैबिनेट के सदस्यों को प्रार्थना सभा में किया गया सम्मानित

नवाचार की उपलब्धि

विद्यालय में बाल कैबिनेट के सहयोग से विद्यार्थियों की उपस्थिति में उल्लेखनीय उपलब्धि प्राप्त हुई जो इस प्रकार रही

कक्षा	दर्ज	औसत उपस्थिति	नवाचार के बाद उपस्थिति
01	30	20	28
02	13	09	12
03	16	10	15
04	38	24	36
05	57	26	36
06	48	32	46
07	58	39	55
08	57	34	55